NEWS CLIPPING: 21.02.2018

AMAR UJALA

हाईटेक होगा वाईएमसीए विवि का अनुसंधान केंद्र

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद।

'वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग तथा विज्ञान के क्षेत्र में बहुआयामी अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत करीब सात करोड़ की लागत से विश्वविद्यालय परिसर में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं को विकसित किया जायेगा।

यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में भावी योजनाओं पर चर्चा के लिए आयोजित एक बैठक में दी। उन्होंने कहा कि नई अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य को प्रोत्साहित करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। इसके लिए आधुनिक उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ केंद्रीय अनुसंधान सुविधा केंद्र विकसित करने की आवश्यकता है। इन सुविधाओं से न केवल अनुसंधान कार्य की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि शोधकर्ताओं को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इनोवेशन के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अनुसंधान सुविधा 'सीआरएफ' केंद्र नैनो

जानकारी देते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

सात करोड़ से विकसित होंगी अनुसंधान सुविधाएं

टेक्नोलॉजी जैसी उन्नत इंजीनियरिंग व विज्ञान की गतिविधियों के लिए जरूरत को पूरा करेगी। इसमें स्क्रीनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, एसईएम, एक्स-रे डिफ्रेक्शन सिस्टम, एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी, फॉरियर ट्रांसफार्म इंफ्रारेड और माइक्रोहार्डनेस टेस्टर जैसे अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे।

कुलपति ने कहा कि हाल ही में विश्वविद्यालय के पांच पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा मान्यता दी गई है। जोकि विश्वविद्यालय की तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता को दर्शाता है।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 21.02.2018

DAINIK BHASKAR

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में स्थापित होगा केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र, 7 करोड़ खर्च होंगे

इससे शोधकर्ताओं को विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए इनोवेशन के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग तथा विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करीब सात करोड़ रुपए की लागत से कैंपस में केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र स्थापित करेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान तथा विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य को प्रोत्साहित करना विश्वविद्यालय की सबसे प्रमुख प्राथमिकता है। इसके लिए आधुनिक उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र विकसित करने की आवश्यकता है। इससे न केवल अनुसंधान कार्य की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि शोधकर्ताओं को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए इनोवेशन के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा।

क्या होंगी सुविधाएं

केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) केन्द्र नैनो टेक्नालॉजी जैसी उन्नत इंजीनियरिंग व विज्ञान की गतिविधियों के लिए जरूरत को पूरा करेगी। इसमें स्क्रीनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम), एक्स-रे डिफ्रेक्शन सिस्टम (एक्सआरडी), एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी (एएफएम), फॉरियर ट्रांसफॉर्म इंफ्रारेड (एफटीआईआर) और माइक्रोहार्डनेस टेस्टर जैसे अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे। ये उपकरण विभिन्न प्रकार की सामग्री (मैटीरियल) के निरूपण (कैरेक्टराइजेशन) तथा एडवांस मैटीरियल के अनुसंधान व विश्लेषण में मददगार होंगे।

फरीदाबाद. वाईएमसीए यूनिवर्सिटी।

अनुसंधान के लिए अब दूसरे संस्थान नहीं जाना पड़ेगा

कुलपति के मुताबिक हालांकि विश्वविद्यालय ने अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के साथ समझौते भी किए हैं। जहां विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, शोधकर्ता व विद्यार्थी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। अब शोधकर्ताओं को शोध कार्यों के लिए कैंपस में ही आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने यह अहम कदम उठाया है।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 21.02.2018

HINDUSTAN

उच्चतर शिक्षा निदेशालय से अनुसंधान केंद्र के लिए हरी झंडी मिली, अगस्त से आधुनिक प्रयोगशाला शुरू हो जाएगी

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आधुनिक रिसर्च लैब बनेगी

सहूलियत

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सात करोड़ रुपये की लागत से अनुसंधान केंद्र शुरू किया जाएगा। इसमें इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, भौतिकी सहित कई आधुनिक तकनीक पर शोध किया जा सकता है।

इसे शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में उपयुक्त जगह की पहचान शुरू कर दी गई है। इसके लिए उच्चतर शिक्षा निदेशालय से हरी झंडी मिल गई है। सबकुछ ठीक रहा तो आधुनिक लैब को नए सत्र यानी अगस्त में शुरू कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय में अभीतक आधुनिक लैब की सुविधाएं नहीं होने के कारण पढ़ाई के दौरान छात्रों को शोध के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ सहित प्रदेश के कई अन्य विश्वविद्यालय में जाना पड़ता था। इससे छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उपयुक्त जगह की तलाश

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि करीब छह महीने पहले प्रस्ताव तैयार कर उच्चतर शिक्षा निदेशालय को भेजा गया था। पिछले सप्ताह लैब को तैयार करने की स्वीकृति मिल गई है। उपयुक्त जगह की पहचान होते ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इसे शुरू होने के बाद अनुसंधान कार्य की गुणवत्ता में सुधार आएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई खोज भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय के अस्तित्व में आया था। इसके बाद से कई मापदंड स्थापित किए गए हैं। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा ग्रेड-ए मिल चुका है।

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का परिसर। • फाइल फोटो

आधुनिक उपकरणों से शोध

आधुनिक केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) केंद्र में इंजीनियरिंग और विज्ञान की गतिविधियों पर शोध किया जाएगा। लैब में स्क्रनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसइएम), एक्स-रे डिफ्रेक्शन सिस्टम (एक्सआरडी), एटोमिक फोस माइक्रोस्कोपी (एएफएम), फॉरियर ट्रांसफॉर्म इंफ्रारेड (एफटीआईआर) तथा माइक्रोहाउनेस टेस्टर आदि अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा यहां पढ़ाई करने वाले छात्र आधुनिक उपकरणों से शोध करेंगे। इसके लिए उन्हें विषय भी दिया जा सकता है। अनुसंधान केंद्र का उद्देश विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने वाले छात्रों को अनुसंधान का लाभ देना है। वाईएमसीए में यह सुविधाएं नहीं होने से संकाय सदस्यों को दूसरे विश्वविद्यालयों की लैब पर निर्भर रहना पड़ता था।

UNI

UNI BREVITY ACCURACY SPEED

United News of India
India's Multi Lingual News Agency

Wednesday, Feb 21 2018 | Time 10:03 Hrs(IST)

States

Posted at: Feb 20 2018 3:37PM

Share

YMCA university to develop research facilities to boost multidisciplinary research

Chandigarh, Feb 20 (UNI) The YMCA University of Science and Technology, Faridabad, has decided to develop state-of-the-art research facilities amounting to Rs seven crore to boost multidisciplinary research in the field of engineering and sciences.

This was stated by Vice-Chancellor Dinesh Kumar in a meeting to discuss the future plans of the University to promote research and development.

He said initiating new research projects is one of the top priorities of the University for which Central Research Facilities (CRF) needs to be developed with modern advanced analytical instruments.

These facilities would not only improve the quality of research work but also encourage the researcher to carry out new innovations in the field of science and technology.

The CRF would cater to advanced engineering and science research activities such as nanotechnology and would be equipped with hi-tech equipments including Scanning Electron Microscope (SEM), X-ray Diffraction System (XRD), Atomic Force Microscopy (AFM), Fourier Transform Infrared (FTIR) and Microhardness Tester.

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 21.02.2018

NAVBHARAT TIMES

वाईएमसीए स्थापित करेगा अनुसंधान केन्द्र

फरीदाबाद (हप) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा इंजीनियरिंग तथा विज्ञान के क्षेत्र में बहुआयामी अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग सात करोड़ रुपये की लागत से विश्वविद्यालय परिसर में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं को विकसित किया जायेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में अनुसंधान तथा विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भावी योजनाओं पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक में बताया कि केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा केन्द्र नैनो टेक्नोलॉजी जैसी उन्नत इंजीनियरिंग व विज्ञान की गतिविधियों की जरूरत को पूरा करेगा तथा इसमें स्क्रीनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप एक्स-रे डिफ्रेक्शन सिस्टम, टोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी एफटीआईआर तथा माइक्रोहार्डनेस टेस्टर जैसे अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध करवाये जायेंगे। ये उपकरण विभिन्न प्रकार की सामग्री तथा एडवांस मेटीरियर के अनुसंधान व विश्लेषण में मददगार होंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 21 February 2018 epaper.punjabitribuneonline

DAINIK TRIBUNE

वाईएमसीए स्थापित करेगा अनुसंधान केन्द्र

फरीदाबाद (हप) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा इंजीनियरिंग तथा विज्ञान के क्षेत्र में बहुआयामी अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग सात करोड़ रुपये की लागत से विश्वविद्यालय परिसर में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं को विकसित किया जायेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में अनुसंधान तथा विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भावी योजनाओं पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक में बताया कि केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा केन्द्र नैनो टेक्नोलॉजी जैसी उन्नत इंजीनियरिंग व विज्ञान की गतिविधियों की जरूरत को पूरा करेगा तथा इसमें स्क्रीनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप एक्स-रे डिफ्रेक्शन सिस्टम, टोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी एफटीआईआर तथा माइक्रोहार्डनेस टेस्टर जैसे अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध करवाये जायेंगे। ये उपकरण विभिन्न प्रकार की सामग्री तथा एडवांस मेटीरियर के अनुसंधान व विश्लेषण में मददगार होंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 21 February 2018 epaper.punjabitribuneonline

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 21.02.2018

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए वि.वि. स्थापित करेगा केंद्रीय अनुसंधान केंद्र

सात करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं को किया जाएगा विकसित

फरीदाबाद, 20 फरवरी (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा इंजीनियरिंग तथा विज्ञान के क्षेत्र में बहुआयामी अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग सात करोड रुपए की लागत से विश्वविद्यालय परिसर में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में अनुसंधान तथा विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भावी योजनाओं पर चर्चा के लिए आयोजित एक बैठक में दी।

उन्होंने कहा कि नई अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य को प्रोत्साहित करना विश्वविद्यालय की सबसे प्रमुख प्राथमिकता है, जिसके लिए आधुनिक उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा केन्द्र विकसित करने की आवश्यकता है। इन सुविधाओं से न केवल अनुसंधान कार्य की गुणवत्ता में सुधार होगा, अपितु शोधकर्ताओं को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए नवाचार (इनोवेशन) के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा। अब शोधकर्ताओं को शोध कार्यों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में ही आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा यह अहम कदम उठाया गया है, जिससे शोधकर्ताओं को अनुसंधान के लिए जरूरी उपकरणों के लिए दूसरे संस्थानों में नहीं जाना पड़ेगा और इससे उनके समय की भी बचत होगी, जिससे अनुसंधान की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। कुलपति ने कहा कि वर्ष 2009 में पूर्ण विश्वविद्यालय के रूप से अस्तित्व में आये वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने विगत कुछ वर्षों में कई मानदंड स्थापित किये है। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा ग्रेड-ए हासिल हुआ तथा विश्वविद्यालय का चयन केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी-3) के अंतर्गत हुआ। हाल ही में विश्वविद्यालय के पांच पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा मान्यता प्रदान की गई, जो विश्वविद्यालय की तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता को दर्शाता है। इस प्रकार, अनुसंधान गतिविधियों में विस्तार से विश्वविद्यालय में अनुसंधान व इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा और शोध में गुणवत्ता आयेगी, जिससे विश्वविद्यालय खुद को देश के एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान के रूप में स्थापित कर सकेगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 21 February 2018
epaper.punjabkesari.in//c/26435989